

## पाठ - 2

### दो ध्रुवीयता का अंत

---

Q1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

(क) सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति का वर्णन करने वाले निम्नलिखित कथनों में से कौन सा गलत है?

(अ) समाजवाद प्रमुख विचारधारा थी।

(ब) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व / नियंत्रण होना था।

(स) लोगों ने आर्थिक स्वतंत्रता का आनंद लिया।

(द) अर्थव्यवस्था के हर पहलू की योजना और नियंत्रण राज्य द्वारा किया गया था।

उत्तर : (क) (स) लोगों ने आर्थिक स्वतंत्रता का आनंद लिया।

Q2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ -

(क) अफ़गान संकट

(ख) बर्लिन- दीवार का गिरना

(ग) सोवियत संघ का विघटन

(घ) रूसी क्रांति

उत्तर : (क) रूसी क्रांति

(ख) अफ़गान संकट

(ग) बर्लिन- दीवार का गिरना

(घ) सोवियत संघ का विघटन

Q3. निम्नलिखित में कौन- सा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है।

(क) संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अंत

(ख) स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल (सी. आई. एस ) का जन्म

(घ) मध्यपूर्व में संकट।

उत्तर : (घ) मध्यपूर्व में संकट।

Q4. निम्नलिखित में मेल बैठाएं।

(1) मिखाइल गोर्बाचेव (क) सोवियत संघ का उतराधिकारी

- (2) शॉक थेरेपी (ख) सैन्य समझौता  
 (3) रूस (ग) सुधारों की शुरुआत  
 (4) बोरिस येल्त्सिन (घ) आर्थिक मॉडल  
 (5) वारसा (ड) रूस के राष्ट्रपति

उत्तर : (1) मिखाइल गोर्बाचेव (क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी  
 (2) शोक थेरेपी (ख) सैन्य समझौता  
 (3) रूस (ग) सुधारों की शुरुआत  
 (4) बोरिस येल्त्सिन (घ) आर्थिक मॉडल  
 (5) वारसा (ड) सैन्य समझौता

**Q5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।**

- (क) सोवियत राजनीतिक प्रणाली ..... की विचारधरा पर आधारित थी।  
 (ख) सोवियत संघ द्वारा बनाया गया सैन्य गठबंधन ..... था।  
 (ग) ..... पार्टी का सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर दबदबा था।  
 (घ) ..... ने 1985 में सोवियत संघ में सुधारों की शुरुआत की।  
 (ड.) ..... का गिरना शीतयुद्ध के अंत का प्रतीक था।

उत्तर : (क) समाजवाद  
 (ख) वारसा पैक्ट  
 (ग) साम्यवादी (कम्युनिस्ट)  
 (घ) मिखाइल गोर्बाचेव  
 (ड) बर्लिन दीवार

**Q6. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूँजीवादी देश जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली किन्हीं तीन विशेषताओं का जिक्र करें।**

उत्तर : विघटन के बाद यूएसएसआर ने अन्य देशों और मुख्य रूप से अमेरिका से एक अलग नीति अपनाई। सोवियत इकोनॉमी मॉडल जो समाजवाद मॉडल पर आधारित था, केवल सोवियत राष्ट्र में प्रचलित था। जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था, पूँजीवादी मॉडल पर आधारित थी जो राज्य द्वारा भूमि नियंत्रण पर आधारित नहीं था। सोवियत संघ में सभी संपत्ति पर अधिकार राज्य का था, लोगों को निजी संपत्ति और आर्थिक स्वतंत्रता नहीं दी गई थी। जबकि अमेरिका में कोई भी निजी संपत्ति का मालिक हो सकता है और भूमि और संपत्ति पर अधिकार राज्य का था।

**Q7. क्या कारण थे जो गोर्बाचेव सोवियत संघ में सुधार करने के लिए मजबूर हुए?**

उत्तर : सोवियत संघ के इतिहास में राष्ट्रवादी आग्रह और भावनाएँ व्यापक थीं और सोवियत संघ की आकार और विविधता इसकी बढ़ती आंतरिक समस्याओं के पीछे का कारण थी। जिस कम्युनिस्ट पार्टी ने 70 साल से अधिक समय तक सोवियत संघ पर शासन किया था, वह लोगों के लिए जवाबदेह नहीं थी। आम लोग इन नीतियों से खुश नहीं थे और खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे थे। प्रगति बहुत धीमी थी

और हर जगह भारी भ्रष्टाचार था। गोर्बाचेव के सुधारों ने सोवियत संघ में प्रचलित कई समस्याओं से निपटने का वादा किया। गोर्बाचेव ने अर्थव्यवस्था में सुधार करने, पश्चिम के साथ चलने और प्रशासनिक तंत्र को ढीला करने का वादा किया।

#### **Q8. भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के प्रमुख परिणाम क्या थे?**

**उत्तर :** विघटन से पहले और बाद में भारत के यूएसएसआर के साथ हमेशा अच्छे संबंध थे। भारत ने सभी पोस्ट कम्युनिस्ट देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। लेकिन सबसे मजबूत रिश्ता अभी भी रूस और भारत के बीच है। रूस के साथ भारत के संबंध भारत की विदेश नीति का बहुत ही आवश्यक और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत अभी भी कश्मीर, ऊर्जा आपूर्ति और रूस से प्रमुख सैन्य आपूर्ति जैसे मुद्दों पर अपने संबंधों से लाभान्वित है। भारत रूस के लिए दूसरा सबसे बड़ा हथियार बाजार है। भारतीय सेना को अपने अधिकांश हार्डवेयर रूस से प्राप्त होते हैं। रूस भारत के लिए महत्वपूर्ण है और अपने तेल संकट के दौरान भारत की सहायता के लिए बार-बार आया है। भारत, रूस और कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के गणराज्यों से ऊर्जा आयात की मांग कर रहा है।

#### **Q9. शॉक थेरेपी क्या थी? क्या यह साम्यवाद से पूंजीवाद में परिवर्तन करने का सबसे अच्छा तरीका था?**

**उत्तर :** साम्यवाद के पतन के परिणामस्वरूप सत्तावादी समाजवादी व्यवस्था से लोकतांत्रिक पूंजीवादी व्यवस्था में संक्रमण की दर्दनाक प्रक्रिया शुरू हुई। विश्व बैंक और आईएमएफ से प्रभावित रूस, मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में मॉडल या संक्रमण को शॉक थेरेपी के रूप में जाना जाता है। विभिन्न देशों में शॉक थेरेपी अलग थी, लेकिन इसकी विशेषताएं काफी समान थीं। इनमें से प्रत्येक देश को एक पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में बदलाव करना था। निजी स्वामित्व, संपत्ति के स्वामित्व का प्रमुख पैटर्न था। राज्य संपत्ति और कॉर्पोरेट स्वामित्व पैटर्न का निजीकरण तुरंत लाया जाना था। विकास अब अधिक व्यापार के माध्यम से परिकल्पित किया गया था और यह आवश्यक माने जाने वाले मुक्त व्यापार के लिए अचानक और पूर्ण बदलाव था। मुक्त व्यापार शासन और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, परिवर्तन के मुख्य इंजन थे। इसमें विदेशी निवेश और उद्घाटन या अविनियमन और मुद्रा परिवर्तनीयता भी शामिल है।

#### **Q10. निम्नलिखित कथन के पक्ष या विपक्ष में एक लेख लिखें - "दूसरी दुनिया वेफ विघटन वेफ बाद भारत को अपनी विदेश-नीति बदलनी चाहिए और रूस जैसे परंपरागत मित्रा की जगह संयुक्त राज्य अमरीका से दोस्ती करने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।"**

**उत्तर :** दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भी भारत को अपनी विदेश- नीति बदलने की आवश्यकता नहीं है भारत को अपने मित्र रूस से अच्छे सम्बन्ध बनाये रखने चाहिए, क्योंकि रूस सदैव भारत की जरूरत पड़ने पर हमेशा मदद करता है | परन्तु अमेरिका के विषय में यह बात नहीं कहीं जा सकती की वह आगे चलकर भी भारत का साथ देगा | अतः आवश्यकता इस बात की है की भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार अमेरिका से सम्बन्ध बनाये तथा रूस के साथ पहले की तरह ही अच्छे सम्बन्ध बनाये रखे |